भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3199
दिनांक 13 दिसंबर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता

3199. श्री अमरसिंग टिस्सो:

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) असम के कार्बी आंगलोंग और दिमा हसाओ जिलों में सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता और शिक्षा बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा विशेष रूप से निवारक स्वास्थ्य देखभाल और जीवनशैली से जुड़े रोगों के संबंध में क्या पहल की जा रही है;
(ख) क्या सरकार के पास इन जागरूकता कार्यक्रमों में स्थानीय समुदायों और नेताओं को शामिल करने की कोई योजना है; और
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग) : स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर-संचारी रोग रोकथाम और नियंत्रण कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। यह कार्यक्रम गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) की रोकथाम के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार एवं प्रबंधन के लिए उचित स्तर के स्वास्थ्य सुविधा केंद्र के लिए रेफरल तथा स्वास्थ्य संवर्धन एवं जागरूकता सृजन पर केंद्रित है।

असम सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, असम ने जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों यानी उच्च रक्तचाप और मधुमेह के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मध्यम और प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सहित स्वास्थ्य सेवा के सभी स्तरों पर कार्यकलाप किए जाते हैं। आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) समुदाय में योग प्रशिक्षकों को शामिल करके योग और स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलाप आयोजित कर रहे हैं।

अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 के बीच जीवनशैली से जुडी बीमारियों की रोकथाम के लिए कार्बी आंगलोंग जिले में कुल 4121 और दीमा हसाओ में 1497 योग और स्वास्थ्य संबंधी कार्यकलाप आयुष्मान आरोग्य मंदिर

में आयोजित किए गए। एनएचएम, असम के पास उच्च रक्तचाप और मधुमेह के उपचार के लिए एक राज्य-विशिष्ट मानक प्रोटोकॉल भी है जो जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के निवारक पहलू पर भी ध्यान केंद्रित करता है।

योग और आरोग्य संबंधी कार्यकलापों के अलावा, आयुष्मान आरोग्य मंदिर ने सभी उप-केंद्र-एएएम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-एएएम और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में मासिक शिविर भी आयोजित किए हैं, जिनमें स्थानीय नेताओं और समुदायों ने सक्रिय रूप से भाग लिया है।

कार्बी आंगलोंग जिले में अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक उप-केंद्र-एएएम और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-एएएम में कुल 193 आयुष्मान शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में कुल 13 शिविर आयोजित किए गए। इसमें कुल मिलाकर लगभग 12,000 लोग आए। इसी तरह दीमा-हसाओ जिले में अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक उप-केंद्र-एएएम, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र-एएएम में कुल 140 शिविर और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 2 शिविर आयोजित किए गए। इनमें कुल मिलाकर लगभग 8000 लोग आए।

एनएचएम के तहत देश में असम राज्य सहित व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में सामान्य गैर- संचारी रोगों(मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मुंह के कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर) की जांच, प्रबंधन और रोकथाम के लिए जनसंख्या-आधारित पहल शुरू की गई है। इन सामान्य एनसीडी की जांच सेवा प्रदायगी का एक अभिन्न अंग है।

समुदाय में, मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशाकर्मी) एनसीडी के बारे में जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आशाकर्मी व्यक्तियों और परिवारों को पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक क्रियाकलाप और तंबाकू व शराब से परहेज सहित स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के महत्व के बारे में शिक्षित करती हैं। आशाकर्मी नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग के माध्यम से शुरुआती पहचान के महत्व पर जोर देती हैं, जिससे घर के दौरे, समूह बैठकों और स्वास्थ्य अभियानों में भागीदारी द्वारा समय पर कार्यकलाप संभव हो पाता है।

ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति (वीएचएसएनसी)/महिला आरोग्य समिति (एमएएस), जन आरोग्य समिति (जेएएस), स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और स्थानीय निकाय जैसे सामुदायिक स्तर के मंच सामुदायिक जागरूकता और प्रोत्साहन एवं निवारक परिचर्या कार्यकलापों के लिए एक मंच के रूप में कार्य करते हैं।

इसके अलावा, एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने संबंधी पहलों में एनसीडी स्वास्थ्य दिवस मनाना, निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। एनसीडी के लिए जागरूकता पैदा करने वाले कार्यकलापों के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत असम राज्य सहित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को उनके कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

*****